Notes

बुद्धि INTELLIGENCE

बुद्धि क्या है, यह एक ऐसा प्रश्न है जिसका उत्तर देना बुद्धिमानों के लिए एक समस्या रही है। वर्तमान में भी है। तथा भविष्य में भी रहने की सम्भावना है। इस शब्द के सन्दर्भ में मनोवैज्ञानिकों में मतभेद रहा है इसे दूर करने के लिए 1910 में मनोवैज्ञानिकों ने एक सभा का आयोजन किया। पुनः अमेरिका में 1921 और 1923 में अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस सभा हुई परन्तु यह स्पष्ट नहीं कर सके कि बुद्धि में स्मृति, कल्पना, भाषा, ध्यान, गामक तथा संवेदनशीलता सम्मिलित है या नहीं।

बुद्धि के सम्बन्ध में ~~किसी~~ इस प्रकार की स्पष्टता तथा अभिव्यक्तता के पीछे विभिन्न व्यक्तियों के मस्तिष्क में बुद्धि के सम्बन्ध में किसी न किसी पूर्वधारणाओं अथवा पूर्वाग्रहों का होना है। बुद्धि को अधिकतर व्यक्ति स्थूल वस्तु के रूप में देखते हैं जिसे प्रत्यक्ष रूप में समझा जा सकता है जबकि यह वास्तव में अमूर्त प्रकृति की होती है। जिसे छूकर या देख कर नहीं समझा जा सकता है।

मनोवैज्ञानिकों ने बुद्धि के सन्दर्भ में निम्नलिखित परिभाषाओं को देने का प्रयास किया है।

वुडवर्थ के अनुसार — "बुद्धि कार्य करने की एक विधि है।"

बकिंघम के अनुसार — "सीखने की योग्यता ही बुद्धि है।"

Anoop

Notes

Mon Tue Wed Thu Fri Sat Sun

टरमन के अनुसार — "बुद्धि अमूर्त विचारों के बारे में सोचने की योग्यता है।"

स्टर्न के अनुसार — "बुद्धि जीवन की नई परिस्थितियों तथा समस्याओं के अनुरूप समायोजन करने की सामान्य योग्यता है।"

वुडरो के अनुसार — "बुद्धि ज्ञान का अर्जन करने की क्षमता है।"

बिने के अनुसार — "बुद्धि इन चार शब्दों में निहित है — ज्ञान, आविष्कार, निर्देश और आलोचना।"

थार्नडाइक के अनुसार — "सत्य या तथ्य के दृष्टिकोण से उत्तम प्रतिक्रियाओं की शक्ति ही बुद्धि है।"

डियरबोर्न के अनुसार — "बुद्धि अधिगम करने की क्षमता तथा अनुभवों से लाभ उठाने की योग्यता है।"

इन परिभाषाओं के अध्ययनों के आधार पर विदित होता है कि बुद्धि —

1- सीखने की योग्यता है।
2- अमूर्त चिन्तन की योग्यता है।
3- समस्या समाधान की योग्यता है।
4- अनुभव का लाभ उठाने की योग्यता है।
5- सम्बन्धों को समझने की योग्यता है।

Anoop

Notes

Mon Tue Wed Thu Fri Sat Sun

बुद्धि के प्रकार -

बुद्धि के निम्नलिखित प्रकार होते हैं

1- मूर्त बुद्धि
2- अमूर्त बुद्धि
3- सामाजिक बुद्धि

मूर्त बुद्धि से तात्पर्य विभिन्न वस्तुओं को समझने तथा उनका प्रयोग करने की योग्यता से है।

अमूर्त बुद्धि से अभिप्राय शाब्दिक तथा गणितीय संकेतों को समझने व प्रयोग करने की योग्यता से है।

सामाजिक बुद्धि से अभिप्राय व्यक्तियों को समझने तथा उनके साथ व्यवहार करने की योग्यता से है।

THEORIES OF INTELLIGENCE

बुद्धि के सिद्धान्त -

बुद्धि के सिद्धान्त से अभिप्राय बुद्धि की प्रकृति संरचना के क्रमबद्ध स्पष्टीकरण से है। बुद्धि के सिद्धान्त को निम्नवत सूचीबद्ध किये जा सकते हैं।

1- एक-कारक सिद्धान्त
2- द्वि-कारक सिद्धान्त
3- बहु-कारक सिद्धान्त
4- समूह कारक सिद्धान्त
5- पदानुक्रमित सिद्धान्त
6- बुद्धि संरचना
7- तरल-ठोस बुद्धि सिद्धान्त

Anoop

Notes

Mon Tue Wed Thu Fri Sat Sun

8- बहु-बुद्धि संरचना सिद्धान्त

बाद में संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिक ने बुद्धि के स्वरूप को प्रक्रियागत स्पष्टीकरण के द्वारा अभिव्यक्त करने के प्रयास किये और सिद्धान्तों को दिया

1- संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत

2- पिरामिड सिद्धांत

बुद्धि के इन सिद्धान्तों का का वर्णन निम्न प्रकार से किया जा सकता है।

20/01/22

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर शाखा, बलिया